Postal Regd. No. :
HP/115/SML/2020-22
< Postage Prepaid >

www.bakhabarconnect.com

शिमला | मंगलवार | 28 सितम्बर - 4 अक्तूबर 2022

• वर्ष 9 • अंक 6 • पृष्ठ 4 • साप्ताहिक • मूल्य 1/-
आर.एन.आई. नं. एचपीएमयूएल / 2014/58822

] विचार »

समय ही व्यक्ति को सर्वश्रेष्ठ और कमजोर बनाता है।

- गोस्वामी तुलसीदास

बाख़बर कनेक्ट

@bakhabarconnect

कार्रवाई, सरगोशी से शाया होने तक

हजारों बालिकाओं को लाभान्वित करके ... 2

प्रधानमंत्री बनेंगे रथ यात्रा के साक्षी, हिमाचल के लिए होंगे ऐतिहासिक क्षण : जय राम ठाकुर

देवेन्द्र कश्यप
कुल्लू . बाख़बर कनेक्ट

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 5 अक्तूबर को कुल्लू दौरा प्रदेश के लिए एक ऐतिहासिक क्षण होगा। हिमाचल के इतिहास में पहली बार कोई प्रधानमंत्री अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा उत्सव की ऐतिहासिक रथ यात्रा के साक्षी बनने जा रहे हैं।

यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हिमाचल के प्रति स्नेह को दर्शाता है। कुल्लू के ढालपुर मैदान में प्रधानमंत्री के दौरे की तैयारियों का जायजा लेने के बाद मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने यह बात कही।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कुल्लू आगमन से पहले प्रधानमंत्री

बिलासपुर में एम्स सहित अरबों रुपये की चार बड़ी परियोजनाओं के लोकार्पण एवं शिलान्यास करेंगे तथा लुहणू मैदान में जनसभा को संबोधित करेंगे।

जय राम ठाकुर ने बताया कि इसके पश्चात प्रधानमंत्री अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा की ऐतिहासिक रथ यात्रा में शामिल होंगे। रथ यात्रा में भाग लेने हेतु सहमति प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री हिमाचल की संस्कृति का सम्मान करते हैं और प्रदेश के प्रति उनका विशेष लगाव है। पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री बिलासपुर में करीब 1471 करोड़ रुपये की लागत के एम्स तथा लगभग 140 करोड़ रुपये की लागत वाले देश के दूसरे हाइड्रो इंजीनियरिंग कॉलेज का शुभारंभ करेंगे। इसके अलावा प्रधानमंत्री करीब 350 करोड़ रुपये की लागत से मेडिकल डिवाइस पार्क तथा 1692 करोड़ रुपये से निर्मित होने वाले पिंजौर-नालागढ़ फोरलेन राष्ट्रीय राजमार्ग का शिलान्यास भी करेंगे। उन्होंने कहा कि ये प्रदेश के लिए केंद्र सरकार की ओर से बहुत बड़ी सौगात हैं।

राज्यपाल ने 'शिमला हेरिटेज फेस्टिवल ऑफ क्लासिकल म्यूजिक' के समापन समारोह की अध्यक्षता की

निशा देवी
शिमला . बाख़बर कनेक्ट

राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने रविवार देर शाम शिमला के ऐतिहासिक गेयटी थिएटर में भाषा, कला एवं संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित चार दिवसीय 'शिमला हेरिटेज फेस्टिवल ऑफ क्लासिकल म्यूजिक' के समापन समारोह की अध्यक्षता की। इस अवसर पर प्रसिद्ध शास्त्रीय गायिका कौशिकी चक्रवर्ती ने अपनी शानदार प्रस्तुति दी।

इससे पहले भाषा, कला एवं संस्कृति विभाग के सचिव राकेश कंवर ने राज्यपाल का स्वागत किया। कार्यक्रम में शहर के गणमान्य लोग उपस्थित थे।

राज्यपाल ने महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री को उनकी जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित की

शिमला : राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर शिमला के रिज में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि महात्मा गांधी ने अपने जीवन में सत्य, अहिंसा और धर्म के आदर्शों को अपनाया था। स्वराज आंदोलन में उनका एक ही संदेश था और वह संदेश था 'स्वदेशी, राम राज्य और ग्रामीण विकास'। उन्होंने भारतीय परंपराओं को सत्य निष्ठा और ईमानदारी के साथ अपने जीवन में अपनाया था। इस अवसर पर राज्यपाल ने महात्मा गांधी के जीवन पर आधारित चित्र प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया।

कंजक पूजन : माता की जयजयकार से गूंजा एवॉल्व नेचर रिजॉर्ट

ललित कश्यप
शिमला . बाख़बर कनेक्ट

बल्देयां स्थित एवॉल्व नेचर रिजॉर्ट में शारदीय नवरात्र के अंतिम दिन कंजक पूजन का आयोजन किया गया। कंजक पूजन में स्थानीय 9 कन्याओं को आमंत्रित किया गया था। रिजॉर्ट जनरल मैनेजर सतीश शर्मा ने माता के जयकारों के बीच कन्याओं का पूजन किया। कंजक पूजन के उपरांत कन्याओं ने प्रार्थना और कविताएं सुनाई। एवॉल्व नेचर रिजॉर्ट के जनरल मैनेजर सतीश शर्मा ने बताया कि वह हर साल इस तरह का आयोजन करते है। उन्होंने कहा बच्चों में शिक्षा के प्रति लगाव उत्पन्न करना बहुत जरूरी है, हमारा यही प्रयास है कि बच्चा शिक्षा से जुड़ा रहे। इस दौरान कन्याओं को माता

का प्रसाद बांटा गया। आयोजन के अंत में जनरल मैनेजर सतीश शर्मा ने सभी कन्याओं को नोटबुक, लंच बॉक्स, थाली, गिलास, पैंसिल व कलर भेंट किया। जनरल मैनेजर सतीश शर्मा ने कहा कि वे राजकीय विद्यालय बल्देयां के कक्षा एक से पांचवी तक प्रथम आने वाले छात्रों को एवॉल्व नेचर रिजॉर्ट में एक दिन का स्टे फ्री करवाएंगे। कंजक पूजन के सफल आयोजन के लिए एवॉल्व नेचर रिजॉर्ट के एमडी नवीन भरथवाल ने बधाई दी। उन्होंने कहा कि रिजॉर्ट ऐसे आयोजन हर वर्ष करता रहेगा। इस अवसर पर रिजॉर्ट के सभी सदस्य गोपाल चौधरी, मकर भागीरथ, गोपाल दास, सुनील, किशन, शैफ नरेंद्र व मोनू शामिल रहे।

रामपुर एचपीएस के रक्तदान शिविर से एकत्र 51 यूनिट रक्त करेगा जीवन का संचार

बाख़बर न्यूज
बायल . बाख़बर कनेक्ट

रामपुर एचपीएस ने परियोजना चिकित्सालय में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। इस शिविर का उद्घाटन कार्यपालक निदेशक / परियोजना प्रमुख रविचन्द्र नेगी ने किया। शिविर का उद्घाटन परियोजना में कार्यरत डॉ. विवेक आनन्द सुरीन मुख्य चिकित्साधिकारी (परियोजना चिकित्सालय), बलजीत सिंह, वरिष्ठ अपर महाप्रबंधक (मानव संसाधन), विवेक भटनागर, वरिष्ठ अपर महाप्रबंधक वित्त एवं लेखा)

रोशन कुमार, उप महाप्रबंधक (पीएसआईटी एण्ड सी), राजीव अग्रवाल, उप महाप्रबंधक (ओपीएच) सुधीर कुमार, उप महाप्रबंधक (पीएचएमएम) व अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में किया गया। रामपुर एचपीएस, बायल के महिला क्लब की सदस्यों ने भी इस अवसर पर अपनी प्रेरणामयी उपस्थिति दर्ज की। इस अवसर पर परियोजना प्रमुख ने रक्तदान की आवश्यकता और उसके महत्व पर प्रकाश डाला और अधिक से अधिक लोगों को इस महान कार्य के लिए आगे आने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि एसजेवीएन प्रबंधन समय-समय पर समाज की सेवा में निरन्तर कार्यरत है। यह रक्तदान शिविर भी एसजेवीएन प्रबंधन के उदार कृत्यों

शेष पृष्ठ दो पर

लूहरी जल विद्युत परियोजना ने कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षुओं को धौलाना भेजा

बाख़बर न्यूज
बिथल . बाख़बर कनेक्ट

एसजेवीएन फाउंडेशन की सामाजिक दायित्व के अंतर्गत कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत लूहरी जलविद्युत परियोजना चरण-1 ने 26 सितम्बर को सेफटी आफिसर, अकांउट आफिसर, जनरल वर्क सुपरवाइजर इत्यादि ट्रेड में 90 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए 10

शेष पृष्ठ दो पर

. बाख़बर कनेक्ट .

[सम्पादकीय]

यूरिया का संतुलित उपयोग

देश में साल दर साल बढ़ते कृषि उत्पादन और सतत् खाद्य सुरक्षा में फसलों के पोषण की अहम भूमिका है। संतुलित पोषण से ऊर्जावान खेत किसान को अधिकाधिक उपज की भेंट देते हैं। नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटाश मुख्य पोषक तत्व हैं, जो अधिकांश खेतों में लगभग अनिवार्य रूप से लगाए जाते हैं। इसके अलावा सल्फर, जिंक और बोरोन कुछ महत्वपूर्ण सूक्ष्म पोषक तत्व हैं, जिन्हें भूमि की जरूरत के हिसाब से किसान खेतों में डालते हैं। इन सबके बीच यदि सबसे महत्वपूर्ण पोषक तत्व की बात करें तो नाइट्रोजन का नाम सबसे ऊपर आता है। खेतों में नाइट्रोजन की आपूर्ति मुख्य रूप से यूरिया नामक उर्वरक द्वारा की जाती है। यूरिया में 46 प्रतिशत नाइट्रोजन मौजूद होती है, जिससे फसल की उत्पादकता बढ़ती है। भंडारण, परिवहन और उपयोग में आसान होने के कारण यूरिया न केवल अपने देश में बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सबसे लोकप्रिय नाइट्रोजन उर्वरक है।

कृषि उत्पादन में यूरिया की महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए भारत सरकार द्वारा यूरिया के उत्पादन और किसानों तक इसकी पहुंच को आसान बनाए रखने के लिए लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। यूरिया का उत्पादन बढ़ाने के लिए सार्वजनिक तथा निजी क्षेत्र के उपक्रमों को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे इस समय यूरिया का उत्पादन करने वाले 30 कारखाने देश के विभिन्न भागों में कार्यरत हैं।

केन्द्र सरकार ने उर्वरक उत्पादन के मामले में भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई कदम उठाएं हैं। इसके अंतर्गत एक इंटरनेट आधारित ऑनलाइन उर्वरक निगरानी प्रणाली विकसित की गयी है, जिससे उर्वरकों की उपलब्धता पर लगातार निगाह रखी जा सकती है। इस प्रणाली में उर्वरकें के उत्पादन, वितरण, खरीद और बिक्री जैसे सभी प्रमुख पहलुओं पर लगातार अपडेट दर्ज किये जाते हैं। कुल मिलाकर सरकार का प्रयास है कि कृषि उत्पादन को बढ़ाने के लिए किसानों को उचित कीमत पर यूरिया तथा अन्य उर्वरक उपलब्ध होते रहें। इसी में देश की खाद्य सुरक्षा निहित है।

॥ प्रथम पृष्ठ के शेष >

रामपुर एचपीएस . . .

की श्रृंखला का एक हिस्सा है। यह रक्तदान शिविर कमला नेहरू चिकित्सालय शिमला की डॉ. कंचन और उनकी टीम के सहयोग से आयोजित किया गया।

डॉ. कंचन द्वारा इस अवसर पर सभी उपस्थित लोगों को प्रेरित करते हुए कहा कि शरद नवरात्रि के पावन अवसर पर रामपुर एचपीएस में रक्तदान शिविर का आयोजन गौरव का विषय है। उन्होंने कहा यहां से जितना भी जीवनदायी रक्त एकत्रित किया जाएगा, वह कमला नेहरू चिकित्सालय में भर्ती महिला मरीजों के लिए समर्पित किया जाएगा। महिला सशक्तिकरण के लिए यह रक्तदान शिविर सहायक सिद्ध होगा क्योंकि हिमाचल प्रदेश के दूरदराज के क्षेत्रों से जो महिलाएं प्रसूती के लिए आती है और शिमला में उनके कोई भी रिश्तेदार नहीं रहते तो उस स्थिति में उन महिला मरीज़ों में यह एकत्रित रक्त नवशक्ति एवं नवजीवन का संचार करेगा और जीवन में नई आशा की किरण लाएगा। इस शिविर में रामपुर एचपीएस में कार्यरत कर्मचारियों, उनके परिजनों एवं संविदा कर्मियों ने उत्साह से भाग लिया और कुल 51 यूनिट का रक्तदान किया।

इस पुनीत अवसर पर परियोजना प्रमुख रक्तदाताओं को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित भी किया गया।

लूहरी जल . . .

प्रशिक्षुओं को सीआइडीसी, धौलाना, उतर प्रदेश भेजा। इस अवसर पर परियोजना प्रमुख सुनील चौधरी ने प्रशिक्षुओं से वार्तालाप किया व प्रशिक्षण संबंधी मार्गदर्शन किया। इसके उपरांत परियोजना प्रमुख ने बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उक्त प्रशिक्षण कन्स्ट्रक्शन इंडस्ट्री डवेल्पमेंट काउंसिल द्वारा एसजेवीएन फाउंडेशन के सौजन्य से करवाया जा रहा है।

सरकार ने लड़कियों के प्रति नकारात्मक सोच को बदलने, लड़की के विवाह की आयु को बढ़ाने तथा लड़कियों को सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से बेटी है अनमोल योजना शुरू की है। इस योजना के अंतर्गत गत लगभग पांच वर्षों के दौरान 40.86 करोड़ रुपये व्यय कर लगभग 21 हजार बच्चियों को जन्म उपरान्त अनुदान देने के अलावा 1,16,490 लाभार्थियों को छात्रवृतियां भी प्रदान की गईं। इस योजना में गरीबी रेखा से नीचे के परिवारों में जन्मी दो बेटियों के बैंक या डाकघर में जन्म के पश्चात 21 हजार रुपये जमा कर दिये जाते हैं जोकि 18 वर्ष की आयु पूरी होने पर लड़की द्वारा आहरित किये जा सकते हैं।

हजारों बालिकाओं को लाभान्वित करके 'बेटी है अनमोल' को किया सार्थक

महिला एवं बाल सशक्तिकरण किसी भी देश व प्रदेश के समावेशी, समतुल्य और दीर्घकालिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है। वर्तमान प्रदेश सरकार के लिए भी यह सदा से प्राथमिकता रही है। सरकार ने विभिन्न योजनाओं के माध्यम से महिलाओं के सामाजिक, शैक्षणिक, आर्थिक और राजनीतिक उत्थान के माध्यम से महिला सशक्तिकरण को सुनिश्चित किया है। जबकि सरकार द्वारा कार्यान्वित की जा रही योजनाएं जैसे बेटी है अनमोल योजना, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना, मुख्यमंत्री शगुन योजना, विधवा पुनर्विवाह योजना, नारी सेवा सदन, गृहिणी सुविधा योजना तथा स्वावलंबन योजना आदि सुनिश्चित करती हैं कि राज्य में विशेष रूप से समाज के कमजोर वर्गों की बेटियों और महिलाओं को अनुकूल और सुरक्षित वातावरण प्राप्त होने के अलावा उनकी विशेष आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध हो। इस दिशा में सरकार ने कई कल्याणकारी योजनाएं न केवल शुरू कीं, बल्कि इन योजनाओं को सिरे चढ़ाने के लिए निरंतर प्रतिबद्धता से कार्य भी किया है।

राज्य सरकार ने बच्चियों का सही लालन-पालन, उन्हें आरामदेह परिवेश, महिलाओं को सभी प्रकार के भेदभाव से मुक्त सुगम व विश्वासयोग्य वातावरण, लैंगिक समानता और बाल केन्द्रित कानूनों, नीतियों एवं कार्यक्रम तैयार करने और एकरूपता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से निरंतर कार्य किया है। सरकार द्वारा चलाया गया 'नारी को नमन' कार्यक्रम महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक साकारात्मक पहल सिद्ध हो रहा है।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत सभी महिलाओं को हिमाचल पथ परिवाहन निगम की बसों में किराये में 50 प्रतिशत की रियायत प्रदान की जा रही है। इस योजना से निगम की बसों में प्रति दिन यात्रा करने वाली लगभग 1.25 लाख महिलाओं को राहत मिल रही है। इस योजना के अंतर्गत प्रदेश सरकार लगभग 60 करोड़ रुपये वार्षिक व्यय करेगी।

इसके अलावा हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा शुरू की गई मुख्यमंत्री गृहिणी सुविधा योजना गरीब परिवारों और महिलाओं को सुविधाएं प्रदान करने में कारगर साबित हो रही है। इस योजना के अंतर्गत सरकार पात्र महिलाओं को मुफ्त गैस कनेक्शन, चूल्हा और सिलेंडर प्रदान कर रही है। इस योजना के सफल कार्यान्वयन से दिसंबर 2019 में हिमाचल देश का पहला एलपीजी सक्षम और चूल्हा धुआंमुक्त राज्य बन पाया। पिछले पांच वर्षों में सरकार द्वारा 134 करोड़ रुपये व्यय कर 3.35 लाख पात्र लाभार्थियों को नि:शुल्क गैस कनेक्शन उपलब्ध करवाए गए। अब सरकार इन महिलाओं को दो रिफिल की जगह तीन रिफिल नि:शुल्क उपलब्ध करा रही है।

सरकार ने लड़कियों के प्रति नकारात्मक सोच को बदलने, लड़की के विवाह की आयु को बढ़ाने तथा लड़कियों को सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से बेटी है अनमोल योजना शुरू की है। इस योजना के अंतर्गत गत लगभग पांच वर्षों के दौरान 40.86 करोड़ रुपये व्यय कर लगभग 21 हजार बच्चियों को जन्म उपरान्त अनुदान देने के अलावा 1,16,490 लाभार्थियों को छात्रवृतियां भी प्रदान की गईं। इस योजना में गरीबी रेखा से नीचे के परिवारों में जन्मी दो बेटियों के बैंक या डाकघर में जन्म के पश्चात 21 हजार रुपये जमा कर दिये जाते हैं जोकि 18 वर्ष की आयु पूरी होने पर लड़की द्वारा आहरित किये जा सकते हैं।

इसके अलावा सरकार ने मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के अन्तर्गत भी 8255 महिलाओं व लड़कियों जिनके पिता जीवित नहीं हैं तथा किसी गम्भीर बीमारी से ग्रस्त हैं और आजीविका कमाने में असमर्थ हैं, को विवाह हेतु अब तक लगभग 39.29 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की है। बी.पी.एल परिवारो से संबंधित लड़कियों को भी विवाह में मुख्यमंत्री शगुन योजना के अंतर्गत 31 हजार रुपये की धनराशि शगुन के रूप में दी जा रही है और अब तक 20.54 करोड़ रुपये व्यय कर लगभग सात हजार बेटियों को लाभान्वित किया है। विधवाओं के पुनर्विवाह को प्रेरित करने के उद्देश्य से भी सरकार द्वारा 50 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जा रही है। गत वर्षो में 448 विधवाओं को पुनर्विवाह के लिए 2.24 करोड़ रुपये की धनराशि वितरित की गई है।

विवाह ही नहीं, बल्कि सरकार द्वारा गरीबी रेखा से नीचे रहने वाली नि:सहाय महिलाओं जिनकी वार्षिक आय 50 हजार रुपये से अधिक नहीं है, को भी उनके दो बच्चों को 18 वर्ष तक पालन पोषण के लिए मदर टेरेसा असहाय मातृ सम्बल योजना के तहत छ: हजार रुपये प्रति बच्चा प्रति वर्ष की दर से आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। इस योजना से अब तक 39.39 करोड़ रुपये व्यय कर लगभग 99,206 लड़कियों को लाभान्वित किया गया है।

प्रदेश सरकार द्वारा असहाय, निराश्रित एवं विधवा महिलाओं के लिए मशोबरा में नारी सेवा सदन भी संचालित किया जा रहा है। यहां पर आवासियों को नि:शुल्क भोजन, आवास चिकित्सा संबंधी सुविधाएं आदि प्रदान की जाती हैं। सदन छोड़ने पर महिलाओं को 25 हजार रुपये की पुनर्वास सहायता दी जाती है। यदि कोई आवासी विवाह करती है तो उसे 51 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जाती है। योजना के अन्तर्गत वर्तमान प्रदेश सरकार के कार्यकाल के दौरान 176 लाभार्थियों को 2.36 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता दी गई है।

महिलाओं को आत्मनिर्भर तथा स्वावलंबी बनाने के लिए भी राज्य सरकार द्वारा विभिन्न योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं और समय-समय पर इन योजनाओं को अमलीजामा पहनाने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। कड़ी निगरानी के साथ फीडबैक हासिल कर योजनाओं को पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाना भी सुनिश्चित किया जा रहा है। महिलाओं के उत्थान की दिशा में सरकार निरंतर गतिमान दिख रही है जो प्रदेश में महिला एवं बाल सशक्तिकरण के उज्ज्वल भविष्य, समावेशी समतुल्य और दीर्घकालिक विकास का संकेत है। सरकार द्वारा किए गए इन प्रयासों के साकारात्मक परिणाम अब धरातल पर दिखने लगे हैं और राज्य के हर वर्ग की बच्चियों व महिलाओं के लिए ये योजनाएं वरदान साबित हो रही हैं।

गत पौने पांच वर्षों के दौरान पूरे प्रदेश में विकास के नए-नए आयाम हुए स्थापित : डॉ. राजीव सैजल

देवेन्द्र कश्यप
शिमला . बाख़बर कनेक्ट

प्रदेश सरकार के वर्तमान कार्यकाल में गत पौने पांच वर्षों के दौरान पूरे प्रदेश में विकास के नए-नए आयाम स्थापित किए हैं। इसी क्रम में कसौली विधानसभा क्षेत्र में भी सड़क, स्वास्थ्य व शिक्षा सहित सभी क्षेत्रों में अभूतपूर्व विकास हुआ है। मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर के नेतृत्व में राज्य में स्वच्छ, निष्पक्ष व ईमानदार सरकार दी है।

यह उद्गार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा आयुष मंत्री डॉ. राजीव सैजल ने कसौली विधानसभा क्षेत्र के बलाहु में जनसभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। डॉ. सैजल ने अपने संबोधन में कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा हाल ही में महिलाओं को परिवहन निगम की बसों में 50 प्रतिशत किराए में छूट दी है, इसके अतिरिक्त 125 यूनिट तक प्रतिमाह बिजली की खपत करने वाले उपभोक्ताओं को बिजली बिल पूरी तरह माफ कर बड़ी राहत प्रदान की है। प्रदेश सरकार 60 वर्ष आयु वर्ग से ऊपर के लोगों को बिना आय सीमा के पेंशन सुविधा प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में बेरोजगारी की समस्या से निपटने के लिए कृषि, बागवानी तथा पशुपालन के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य किया गया है।

میکسیکو کے پراسرار اہرام: سورج کی نقل و حرکت بتانے والا معبد جسے نامعلوم قدیم تہذیب گھڑی کے طور پر استعمال کرتی تھی

کچھ فاصلے سی دیکھیں تو یہ سرمئی آتش فشاں پتھر سے بنے اہرام اور ان کے گرد دیواریں قدرت کا کرشمہ لگتے ہیں۔

وسطی میکسیکو کے سین مگئیل ڈی الینڈے شہر سے 30 میل دور کینیڈا ڈی لا ورجن وادی میں موجود یہ پتھریلی شکلیں اس بنجر علاقے میں کسی پہاڑی سلسلے کی مانند اس طرح گھل مل چکی ہیں کہ یہ اس کا قدرتی حصہ معلوم ہوتی ہیں۔

لیکن جیسے جیسے میں ان میں سے سب سے بڑے اہرام کے قریب پہنچا تو مجھے کوئی شک نہیں رہا کہ یہ انسان کے ہاتھوں سے بنے تھے۔ ایک جیسی سیڑھیاں، جو سخت پتھر کے اندر تراشی گئی تھیں، کسی ماہر معمار کی مدد کے بغیر بنانا ممکن نہ تھا۔

دیگر دو نسبتاً چھوٹے اہرام بھی کسی انسانی ہاتھ کا پتہ دے رہے تھے۔ یہ یقیناً کسی قدیم تہذیب کی نشانیاں تھیں۔

مقامی لوگ بہت عرصے سے اپنے شہر کے باہر موجود ان کھنڈرات کی موجودگی سے آشنا تھے۔ کچھ نے افواہ پھیلائی کہ یہاں مردے دفن ہیں، کچھ نے سونے کی بات کی۔ قبریں لوٹنے والوں نے تو ان کو بارودی مواد سے اڑانے کی کوشش تک کر ڈالی لیکن ان کو کچھ ملا یا نہیں، اس کا کوئی ثبوت موجود نہیں۔

یہ مقام باقی دنیا کے لیے مکمل طور پر انجان رہا جب تک سنہ 2000 کے اوائل میں میکسیکو کے ماہرین آثار قدیمہ نے یہاں کھدائی نہیں کی۔

وہ بتاتے ہیں کہ یہ '13 آسمانوں کا گھر' ہے جسے سنہ 540 عیسوی میں یہاں کے رہائشیوں نے تعمیر کیا تھا۔

انھوں نے سب سے طویل قامت اہرام کی جانب اشارہ کرتے ہوئے کہا کہ 'یہ پتھر قریبی کان سے نکالا جاتا تھا۔' اس اہرام کی چوکور بنیاد تھی اور سیڑھیاں 15 میٹر اونچائی پر پلیٹ فارم تک جا رہی تھیں۔

ان کے مطابق دو چھوٹے اہرام، جن میں سے ایک کو 'ہوا کا گھر' اور دوسرے کو 'طویل ترین رات کا گھر' کہا جاتا ہے، بھی ان ہی پتھروں سے بنائے گئے تھے۔

تاہم دو دہائیوں بعد بھی یہ معمہ حل نہیں ہو سکا کہ ان کو بنانے والے کون تھے۔ کوفی کہتے ہیں کہ 'یہ اب تک ایک پراسرار جگہ ہے جو ہمیں حیران کرتی رہتی ہے۔ ہمیں نئی معلومات ملتی رہتی ہیں۔'

اب تک یہ طے ہوا کہ 13 جنتوں کا گھر نامی یہ اہرام ایک معبد تھا جو قدیم دور میں ایک اہم کام یعنی وقت بتانے کے لیے مختص تھا۔ صدیوں پہلے وقت اور موسم کا حساب رکھنا کوئی آسان کام نہیں تھا۔ اس وقت کوئی گھڑی یا کلینڈر نہیں ہوتے تھے تو لوگ آسمان دیکھ کر اندازے لگاتے تھے۔

ماہر آثار قدیمہ روزانا کویروز سین مگئیل ڈی الینڈے میں ہسپانوی وقت سے پہلے کی فلکیات کے میوزیم کی ڈائریکٹر ہیں۔ انھوں نے ان اہرام کی کھدائی کے دوران میکسیکو کے نیشنل انسٹی ٹیوٹ برائے اینتھروپولوجی اور تاریخ داں گبریئلا زپیڈا کے ساتھ کام کیا تھا۔

وہ کہتی ہیں کہ 'آج ہم گھڑی اور آئی فون کی مدد سے وقت دیکھتے ہیں، لیکن اس وقت لوگوں کو سورج اور چاند کی مدد لینا پڑتی تھی۔'

روزانا کویروز کے مطابق یہ اہرام ایک قدیم تہذیب نے سورج کی حرکت کے مطابق ایک ایسے آلے کے طور پر تیار کیے جن سے وہ کاشت کاری کے لیے اہم تاریخوں کا اندازہ لگاتے تھے۔

ان کا کہنا ہے کہ 'ان کو تعمیر کرنے میں کافی محنت لگی ہوگی۔'

واضح رہے کہ یہ اہرام 1500 سال سے یہاں موجود ہیں۔ لیکن ان کی اپنی کہانی اب وقت کی گردش میں گم ہو چکی ہے کیوں کہ وہ اپنے پیچھے ایسی کوئی تحریر نہیں چھوڑ کر گئے جس سے یہ نشان دہی ہو سکے کہ ان پراسرار اہرام کو تعمیر کرنے والے کون لوگ تھے۔

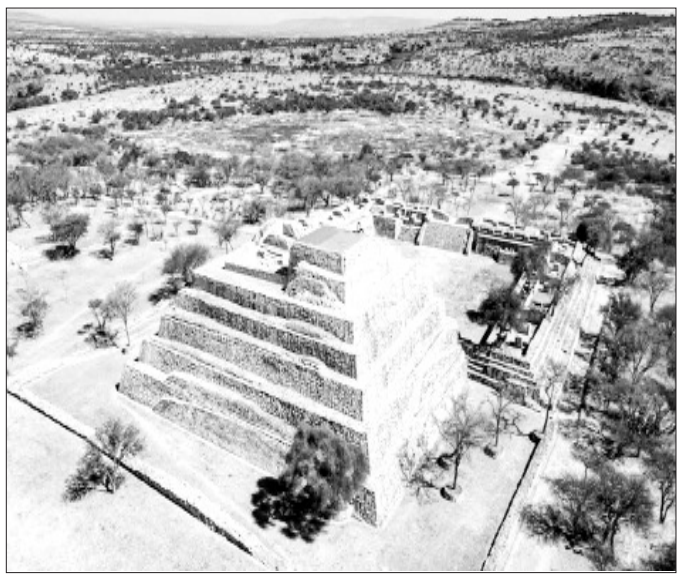

اس کی ایک وجہ 16ویں صدی میں میکسیکو پر ہسپانوی قبضے کے دوران ہونے والی تباہی بھی ہے۔

تاہم مقامی ثقافت کے لیے اپنے آباؤ اجداد کے علم اور روایات کو محفوظ رکھنا نہایت اہمیت کا حامل ہے۔ خصوصاً اس لیے کہ ان کی تاریخ کو یا تو بھلا دیا گیا یا پھر اسے درست طریقے سے سمجھا نہیں گیا۔

اسی لیے روزانا کویروز اور گبریئلا زپیڈا دو دہائیوں سے اس قدیم تہذیب کے بارے میں زیادہ سے زیادہ حقائق اکھٹا کرنے کی کوشش کر رہے ہیں۔ اس مقام سے دریافت ہونے والے متعدد نوادرات کے باوجود اب تک وہ اس کی تاریخ کی پہیلی مکمل طور پر سلجھا نہیں سکے۔ ہر جواب نئے سوال اٹھا دیتا ہے۔ وہ جانتے ہیں کہ یہ قدیم وقت کا حساب رکھنے والے ایک ایسی تہذیب سے تعلق رکھتے تھے جن کو فلکیات اور فن تعمیر پر عبور حاصل تھا۔ کویروز کا کہنا ہے کہ 'کئی قدیم تہذیبیں مخصوص دیوتاؤں کی پوجا کرتی تھیں لیکن یہ لوگ وقت اور خلا کی تخلیق کی پوجا کرتے تھے۔'

ان اہرام کی تعمیر میں ان لوگوں نے ان اصولوں کی نقل کرنے کی کوشش کی جو ان کے خیال میں دنیا کی تخلیق کرتے ہوئے استعمال ہوئے تھے۔ کویروز نے بتایا کہ 'مقامی تاریخ کے مطابق مقدس ہستیوں نے دنیا، وقت اور خلا تخلیق کی اور وقت بتانے کے لیے سورج انسانوں کے حوالے کیا۔'

'تو انسانوں نے اسی طرح کی تنظیم زمین پر کی۔ پہلے دنیا کے چار کونے بنائے گئے اور پھر پورا سال سورج ان چار کونوں کا چکر لگاتا۔ اس عبادت گاہ میں آپ کو وہی نظر آ رہا ہے جو اس قدیم تہذیب کے خیال میں کائنات بناتے وقت ہوا تھا۔'

13 آسمانوں کے گھر کے چار کونے موسم سرما اور موسم گرما کی انتہا کی نمائندگی کے ساتھ ساتھ زرعی اعتبار سے دو اہم تاریخوں کی نمائندگی کرتے ہیں جو چار مارچ اور نو اکتوبر ہیں جب فصل کاشت کی جاتی اور کاٹی جاتی۔ اگر آپ ان چار دنوں میں سے کسی دن اس اہرام کی سیڑھیوں کے سامنے کھڑے ہوں تو سورج اسی دن کے مخصوص کونے کے ساتھ کھڑا دکھائی دے گا۔

یہ اہرام تعمیر کرتے وقت ان لوگوں نے معیاری تکنیک اور مواد استعمال کیا۔ انھوں نے آتش فشاں کی راکھ سے بننے والے پتھر قریبی کان سے نکالے اور ان کو اس طرح سے ترتیب دیا کہ ہر پتھر دوسرے کو سہارا دے رہا تھا۔ اس طریقے کو 'ہیئیو' کہا جاتا ہے۔

آج کی دنیا کے حساب سے شاید یہ اہرام خوش شکل نظر نہیں آتے لیکن کوفی کا کہنا ہے کہ ان کو بنانے والوں نے ان کی خوبصورتی کو یقینی بنانے میں اپنی طرف سے کوئی کسر نہیں چھوڑی اور میلوں دور سے لائے گئے لائم سٹون کی مدد سے سیڑھیوں کی آرائش کی گئی۔ 'یہ پتھر لانے میں ہی دو سے تین دن لگے ہوں گے۔'

کویروز کا کہنا ہے کہ ان آرائشی لائم سٹون پتھروں کو جوڑنے کے لیے ایک مقامی کیکٹس کے درخت کے پتوں سے بنی قدرتی گوند کا استعمال کیا گیا۔

'اگر آپ کیکٹس کے پتوں کو پانی میں رکھ دیں تو ایک دن بعد یہ چپچپے ہو جاتے ہیں اور آپ ان کو مسالے سے ملائیں تو ایک مضبوط گوند بن جاتی ہے۔'

صدیوں پرانا یہ طریقہ آج بھی کچھ مقامی لوگ استعمال کرتے ہیں۔ کویروز کا کہنا ہے کہ 'ہم قدیم لوگوں کا علم دریافت کر رہے ہیں۔'

ان اہرام کی مزید چھان بین پر ماہرین کو علم ہوا کہ یہاں قیمتی اشیا موجود تھیں۔ لیکن وہ سونا نہیں تھا۔ ان کو یہاں دفن 19 ڈھانچے ملے جن میں مرد اور خواتین کے علاوہ ایک بچے اور کتے کا ڈھانچہ بھی تھا جن کا جائزہ لیا جا رہا ہے۔

ماہرین کا پہلے خیال تھا کہ ان اہرام کو تعمیر کرنے والے اوٹومی لوگ تھے جن کی نسل آج بھی یہاں آباد ہے لیکن اب تک وہ اس مفروضے کی تصدیق کے لیے ڈی این اے تجزیہ نہیں کر سکے۔

کویروز کا کہنا ہے کہ 'ہمارے پاس ڈی این اے بینک میں اب تک جدید دور کا اوٹومی ڈی این اے نہیں ہے اور اس کو حاصل کرنا آسان نہیں۔'

'آپ کو مقامی آبادیوں سے اجازت لینا ہوتی ہے۔ پھر یہاں مختلف اوٹومی لوگ ہیں۔ اس لیے یہ اتنا آسان نہیں ہے۔'

تاہم 13 آسمانوں کے گھر کے بلند ترین مقام سے ملنے والے ڈھانچے سے ماہرین کو کچھ اشارے ضرور ملے۔ اس ڈھانچے کی ہڈیوں پر نشان بنے تھے جو پہلی نظر میں ایک انسان، شکاری یا جنگجو جیسے لگے۔

لیکن ڈی این اے کے تجزیے سے معلوم ہوا کہ یہ ڈھانچہ کسی عورت کا تھا اور اس سے بھی حیران کن بات یہ تھی کہ یہ ڈھانچہ عمارت سے کہیں زیادہ پرانا تھا۔ یہ مندر تو 540 صدی عیسوی میں بنا تھا لیکن یہ ڈھانچہ 400 قبل از مسیح کا تھا۔

'یہ لوگ جہاں جاتے تھے، اس کو ساتھ رکھتے تھے اور کم از کم 950 سال سے اس ڈھانچے کو اپنے ساتھ رکھے ہوئے تھے۔ اس کا مطلب ہے کہ یہ کوئی اہم شخصیت تھی۔ اس لیے جب انھوں نے مندر بنایا تو اس کو سب سے اونچی جگہ دفن کیا۔ لیکن ہمیں ابھی تک معلوم نہیں کہ یہ کون تھی اور اتنی خاص کیوں تھی؟'

سیڑھیوں پر چڑھتے ہوئے میں نے احتیاط سے کام لیا کیوں کہ کوئی ایسی چیز نہیں تھی جسے تھاما جا سکتا۔ میں نے اس پراسرار تہذیب کے بارے میں تصور کرنے کی کوشش کی جس نے اپنے مقدس بزرگ کو یہاں دفنایا تھا۔ نئے جینیاتی تجزیے نے اور حیران کیا ہے۔ ڈھانچوں کے جینوم کا تجزیہ مکمل ہوا تو ان میں قدیم میکسیکن قوموں مایا، ناہواز اور تارا ہومارا سے مماثلت ظاہر ہوئی۔

'تو ہو سکتا ہے کہ یہ ایک ایسا مقام ہو جہاں پورے میکسیکو سے لوگ اکھٹا ہوتے ہوں۔' ماہرین آثار قدیمہ کو امید ہے کہ ان کو مذید رازوں سے پردہ اٹھانیکا موقع ملے گا جس کی مدد سے وہ اس پہیلی کو حل کر سکیں گے۔

اس معاشرے کی تاریخ کا اتنا کچھ وقت کے ہاتھوں ضائع ہو چکا ہے، وہی وقت جس کا حساب کتاب رکھنے میں ان کے آباؤ اجداد ماہر تھے۔

کویریز کہتی ہیں کہ 'یہ ہم پر ہمارے آباؤ اجداد کا قرض ہے کہ ان کی کہانی کو تلاش کریں۔ ہم ایسا علم اور حکمت کیسے یاد رکھیں گے اگر ہم ان کی کہانی بار بار نہیں سنائیں گے؟'

سورس : بی بی سی اردو

State Government increases social security pension's budget by almost four times in four years

"Be it lakhs of senior citizens or the people with disabilities or the widows and single women or other helpless people who are struggling in their daily life". All these needy people especially lakhs of senior citizens can now not only lead a dignified life but also feel financially independent. This was possible because of a humane and visionary thinking of Chief Minister Jai Ram Thakur. He has made a provision of monthly pension for such people, under social security pension scheme.Immediately after taking the oath as Chief Minister of Himachal Pradesh about five years ago on 27th December 2017 and while presiding over the first meeting of his cabinet, Jai Ram Thakur realizing the pain of senior citizens of the state, took a decision to give pension to all senior citizens above the age of 70 years. The condition of income limit for the social security pension was removed for the senior citizen of above 70 years age. Earlier, this provision was only for the elderly persons above the age of 80 years. This very first decision of the Jai Ram Cabinet had brought a big relief all the senior citizens of the state, who are in their twilight of life not having any financial support and were also being neglected by their family members.

Coming from a very humble background, Chief Minister Jai Ram Thakur is always aware of the difficulties of a common man especially poor and needy people, senior citizens and other weaker sections of the society. This is also reflected in the various decisions, welfare schemes, policies and programs of the state government.

Now, the Jai Ram government has decided to increase the ambit of social security pension by making the provision of pension for all the senior citizens above the age of 60 years, without any income limit. This unique decision of the state government towards the welfare of senior citizens has enabled the lakhs of senior citizens of Himachal to get a monthly pension ranging from Rs.1000 to Rs. 1700 and they are leading a respectable life.

Apart from increasing the scope of pension for senior citizens, the state government has also provided huge relief to the disabled persons, widows and single women, leprosy patients and other helpless people by considerably increasing their monthly pension.The annual budget of social security pension was increased by almost four times during the tenure of present state government itself. The state government has increased the pension of the senior citizens of 70 years and above age, from Rs. 700 to Rs. 1700. Similarly, the pension of persons with more than 70 percent disabilities was also increased from Rs.1250 to Rs.1700.

Now, about 7.25 lakh people of different eligible categories are getting benefitted under social security pension scheme across the state, on which an amount of Rs. 1300 crore was being spent during current financial year. At present, more than five lakh senior citizens, about 68 thousand people with disabilities, about 1.30 lakh widows and single women, 1482 leprosy patients and 150 transgenders are getting social security pension in the state. More than three lakh new cases of pension have been approved in the state during last four years. Bringing such a large number of people under the purview of pension during the tenure of present state government under the able and visionary leadership of Chief Minister Jai Ram Thakur shows their commitment towards the welfare and betterment of people.

राज्य सरकार ने कर्मचारियों को प्रदान किए अधिकतम लाभ : जय राम ठाकुर

देवेन्द्र कश्यप
शिमला . बाख़बर कनेक्ट

राज्य के कर्मचारी सरकार की रीढ़ हैं और वे सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों के प्रभावी कार्यान्वयन में प्रमुख भूमिका निभाते हैं। मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने यह बात मण्डी के विपाशा सदन में मंडी के कर्मचारियों द्वारा आयोजित 'एक शाम मंडी के कर्मचारियों के साथ' समारोह को संबोधित करते हुए कही।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने हमेशा अपने कर्मचारियों के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध बनाए रखें है क्योंकि वे सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों को कार्यान्वित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में कर्मचारियों की संख्या प्रदेश की जनसंख्या के हिसाब से अधिक है। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के बावजूद कर्मचारियों से संबंधित अधिकांश मामलों का समाधान किया है। उन्होंने कहा कि कोविड- 19 संकट के बावजूद राज्य सरकार ने कर्मचारियों को पूर्ण वेतन, पेंशन और अन्य सभी वित्तीय लाभ प्रदान किए है ताकि उन्हें किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि अनुंबध कर्मचारियों के

नियमितीकरण की अवधि को तीन वर्ष से घटाकर दो वर्ष तथा दैनिक वैतन भोगियों के नियमितीकरण की अवधि को भी एक वर्ष कम किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार के कर्मचारियों के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध कांग्रेसी नेताओं को रास नहीं आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के एक युवा कांग्रेसी नेता ने उन्हें कर्मचारियों से सख्ती से कार्य करवाने की सलाह दी थी, लेकिन उनका मानना है कि जो कार्य दबाव से हासिल नहीं किया जा सकता, वह आपसी सौहार्द को स्थापित करके किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने हाल ही में 'हिमाचल प्रदेश कौशल विकास और रोजगार निगम कंपनी' गठित करने का निर्णय लिया है जो सरकारी विभागों, बोर्डों, निगमों, विश्वविद्यालयों इत्यादि में कुशल, अर्द्ध-कुशल और अन्य श्रम शक्ति की तैनाती सुनिश्चित करेगी। उन्होंने कहा कि इससे कर्मचारियों को काफी राहत मिलेगी। जय राम ठाकुर ने कहा कि राज्य सरकार ने हिमाचल पथ परिवहन निगम की बसों में बस किराए में महिलाओं को 50 प्रतिशत की छूट देने का भी निर्णय लिया है, जिससे सरकारी और निजी क्षेत्र में काम करने वाली लाखों महिला कर्मचारियों को मदद मिल रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेताओं ने राज्य सरकार के इस निर्णय का भी विरोध किया था।

उन्होंने कहा कि अब कांग्रेस के नेता ओपीएस के नाम पर प्रदेश के कर्मचारियों को गुमराह कर रहे हैं।

Navjeevan Nursing Home

Dr. S.R. Sharma
M.S., F.A.I.S., Ex. HPHS-I
Surgical Specialist
Cell.: 094180-22212
Regn. No. 3021/16
Dr. Kamlesh Sharma
M.B.B.S., M.D. (OBG)
Consultant Gynaecologist
Cell.: 094180-12722
Regn. No: 2985/16

Rajgarh Road, Solan (HP). Tel. : 01792-222212

Lifeline Hospital

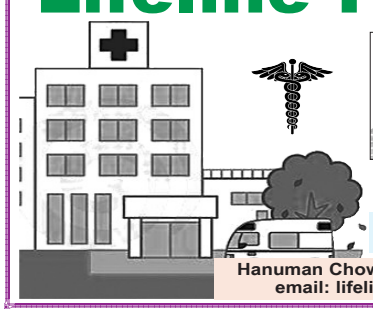

Dr. Ramesh Dhiman
MD General Medicine,
Consultant Physician
Mob. 70183-95674, 78760-71919
Hanuman Chowk (Old Rahat Hospital) Dehra
email: lifelinehospital74@gmail.com

Jai Maa Mansa Devi
Rampur Bushehar
Tour & Travels .All India Tourist Permit.
PLACES OF INTEREST IN HIMACHAL . NARKANDA : Hatu Peak, Kotgarh & Thanedhar, Jallori Pass. RAMPUR : Padam Palace, Ragunath Temple, Ayodhya Temple, Narsingh Temple, Dumgir Budh Temple, Dutt Nagar, Surya Temple Nirath, Bhimakali Temple, Bird Park, Bhaba Valley. KHARA PATHAR : Pabbar Valley, Hateshwari Temple, Jubbal, Giri Ganga. ROHRU : Chanshal, Shikhru Devta Temple, Dodra Kwar. SHIMLA : Jakhoo Hill, Summer Hill, The Ridge, Indian Institute of Advanced Study, Naldehra and Shaali Peak, Chadwick Falls, Kufri. KULLU : Bijli Mahadev Temple, Basheshwar Mahadev Temple. MANALI : Rohtang Pass, Solang Valley, Jogini Waterfall, Hadimba Temple. CHAMBA : Khajjiar Lake, Bhuri Singh Museum, Maharaja's Palace, Manimahesh Lake, Church of Scotland. DHARAMSHALA: Triund, Dal Lake, Bhagsunag Temple, Masroor Rock Cut Temple, Tea Garden. DALHOUSIE : Dainkund Peak, Panchpula, Sach Pass, Ganji Pahari. KANGRA : Kangra Fort, Maharana Pratap Sagar Lake, Taragarh Palace, Indrahar Pass, Kareri Lake. KASAULI : Monkey Point, Sunset Point, Dagshai, Gurkha Fort, Christ Church. HAMIRPUR : Deotsidh Temple, Sujanpur Tihra, Awah Devi Temple, Bikeshwar Temple. PARWANOO : : Kalka, Pinjore, Mughal Gardens, Gurudwara Nada Sahib, Cactus Garden. SOLAN : Barog, Subathu, Chail, Jatoli, Rajgarh, Kuthar Fort, Arki. PRAGPUR : Jwalamukhi Temple, Chamba Pattan, The Taal. SIRMAUR : Shivalik Fossil Park, Churdhar Peak, Renuka Wildlife Sanctuary, Mini Zoo, Jaganath Temple. UNA : Amb, Pong Dam, Gobind Sagar Lake, Kutlehar Forts, Chintpurni Temple, Dera Baba Barbhag Singh.

Contact for : Innova, Tavera, Scorpio, Traveller, Marshal, Alto, Sumo, Eco, Eicher, Maruti 800 etc.
Call : 94181 39465, 98174 81666, 98160 50428, 94186 94328, 98170 49652, 97362 00764

Online Yoga Classes

Limited Seats
Book Your Slot Now
Morning & Evening Session
Online & Offline
Find us on...www.utkrishtyoga.com
@utkrishtyoga
Contact -7018312046 /8219841497

संतुलित व पोषण आहार को अपने भोजन में नित्य शामिल करें : डॉ. सैजल

निशा देवी
सोलन . बाख़बर कनेक्ट

02 करोड़ 35 लाख रुपये की लागत से सोलन विधानसभा क्षेत्र के सोलन में खंड विकास अधिकारी कार्यालय के भवन का निर्माण करवाया जाएगा यह जानकारी स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा आयुष मंत्री डॉ. राजीव सैजल ने भवन की आधारशिला रखने के उपरांत सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय पोषण माह कार्यक्रम के समापन समारोह की अध्यक्षता करते हुए दी।

डॉ. सैजल ने महिलाओं को पोषण के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि शरीर को स्वस्थ रखने के लिए सभी को संतुलित आहार व पोषण आहार को अपने भोजन में नित्य शामिल करना चाहिए। उन्होंने बताया कि आज के दौर में अधिकतर लोग संतुलित आहार की बजाय बाहर का जंक फूड खाना अधिक पंसद करते हैं। इसका सेवन करने से शरीर पर बुरा प्रभाव पड़ने के साथ ही कई प्रकार की बीमारियों को न्योता मिलता

हैं। उन्होंने कहा कि संतुलित आहार लेने से शरीर स्वस्थ ही नहीं अपितु कई तरह की बीमारियों से भी बचा जा सकता है। इसलिए हमें शरीर को स्वस्थ रखने के लिए पोषक तत्वों से भरपूर संतुलित आहार लेना चाहिए।

कार्यक्रम के दौरान डॉ. सैजल ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ विषय पर शपथ दिलाई तथा विभाग द्वारा लगाई गई पोषण आहार प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया। मुख्य अतिथि द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाले आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को पुरस्कृत भी किया गया। इससे पूर्व राज्य खादी एवं ग्रामोद्योग के उपाध्यक्ष पुरुषोत्तम गुलेरिया और भाजपा मंडल सोलन के अध्यक्ष मदन ठाकुर ने भी अपने विचार व्यक्त किए। ज़िला कार्यक्रम अधिकारी राजेंद्र नेगी ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए विभाग द्वारा गत एक माह के दौरान पोषण अभियान के अंतर्गत आयोजित किए गए कार्यक्रमों का ब्यौरा प्रस्तुत किया। इसके पश्चात स्वास्थ्य मंत्री हिमाचल प्रदेश ने सोलन के बाईपास में 90 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले अस्पताल भवन के निर्माण कार्य का भूमि पूजन कर विधिवत शुभारंभ किया।

सितम्बर माह में जीएसटी संग्रहण में 18 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज

बाख़बर न्यूज
धर्मशाला . बाख़बर कनेक्ट

राज्य कर एवं आबकारी आयुक्त, युनूस ने बताया कि हिमाचल प्रदेश में वर्तमान वित्त वर्ष की पहली छमाही में जीएसटी संग्रहण में 28 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई है, जबकि इस वित्त वर्ष में सितम्बर माह के दौरान वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रहण में 18 प्रतिशत प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि सितम्बर माह में 386 करोड़ रुपये जीएसटी संग्रहण किया गया है। उन्होंने कहा इस वित्त वर्ष के दौरान प्रथम छः माह में जीएसटी संग्रहण 2,641 करोड़ रुपये रहा है।

उन्होंने कहा कि यह वृद्धि करदाताओं में कर अदायगी सम्बन्धी अनुपालना में सुधार तथा विभाग द्वारा किए गए विभिन्न प्रशासनिक एवं नीतिगत प्रयासों तथा प्रवर्तन प्रणाली के सुदृढ़ीकरण से सम्भव हो पाई है।

Himachal Pradesh Public Works Department Notice Inviting Tender

Sealed item rate tenders on the form 6&8 are invited by the Executive Engineer Fatehpur Division HPPWD., Fatehpur on behalf of the Governor of HP for the following works from the approved and eligible contractors enlisted in HPPWD.

TENDER SCHEDULE:

1. Date and time of receipt of application for tender form: 10.10.2022 upto1.30 PM
2. Date and time of issue of tender form: 11.10.2022 upto 5.00 PM
3 Date and time of receipt of tenders: 12.10.2022 upto 10.30AM
4 Date and time of opening of tenders: 12.10.2022 at 11.00 AM

The tenders form will be issued against cash payment (non refundable). The earnest money in the shape of NSC/FDR/Deposit at call of any of Post Office/Bank in H.P duly pledged in the name of the Executive Engineer, Fatehpur Division HPPWD Fatehpur must accompany with each tender.

Sr. No.	Name of Work	Estimated Cost	Earnest Money	Time Limit	Cost of Form	Eligible class of Contractor
1	Restoration of rain damages on various roads Rehan Sub Division, HPPWD,Rehan (SH:- Repair of Pot holes in various roads)	Rs.275568/-	Rs.5600/-	One month	350/-	Class D&C
2	Restoration of rain damages on various roads Rehan Sub Division, HPPWD,Rehan (SH:- Repair of Pot holes in various roads)	Rs.275568/-	Rs.5600/-	One month	350/-	Class D&C
3	Restoration of rain damages on various roads Rehan Sub Division, HPPWD,Rehan (SH:- Repair of Pot holes in various roads)	Rs.275568/-	Rs.5600/-	One month	350/-	Class D&C
4	Restoration of rain damages on various roads Rehan Sub Division, HPPWD,Rehan (SH:- Repair of Pot holes in various roads)	Rs.275568/-	Rs.5600/-	One month	350/-	Class D&C
5	Restoration of rain damages on various roads Rehan Sub Division, HPPWD,Rehan (SH:- Repair of Pot holes in various roads)	Rs.275568/-	Rs.5600/-	One month	350/-	Class D&C

1 The contractors/firms should possess the following documents (Photocopy to be attached):
(i) The contractor/Firms should be enlisted with the HPPWD.
(ii) PAN (Permanent Account No.)
(iii) Registration under GST
(iv) Ambiguous/telegraphic/conditional tenders or tender by Fax/E-mail shall not be entertained /considered in any case.
(v) The Executive Engineer reserves the right to reject/cancel any or all the tenders without assigning any reason(s).
(vi) Only two tenders shall be issued to each contractor.
(vii) The tender will not be issued to those contractors who have already two or more works in hand in HPPWD. The contractor will give an affidavit along with application that he has not more than two works in hand in HPPWD for execution, failing which the application for issuing the tender forms shall not be accepted.
(viii) Special care should be taken to write the rates both in figures and in words, failing which the case likely to be rejected.
(ix) Job No.1 To 5 will be issued to such contractors who have paver and finisher.

Executive Engineer, Fatehpur Division HPPWD, Fatehpur. On behalf of Governor of Himachal Pradesh

R.O. No. 4531/22-23 ***HIM SUCHNA AVAM JAN SAMPARK***

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक **हेमराज हरनोट** द्वारा वायलट हिल, जाखू, शिमला-1 से प्रकाशित एवं **दुर्गा पेपर कन्वर्टरज़**, कांशी भवन, तारादेवी, शिमला-10, जिला शिमला (हि.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक : **हेमराज हरनोट**।
बाख़बर कनेक्ट से सम्बन्धित सभी मामलों का निपटारा न्यायिक अधिकार क्षेत्र शिमला में ही होगा। फोन नं. 094185-88654, email: bakhabarconnect@gmail.com, Post Box No. 86, Shimla-1, H.P.